

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म०प०, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

1200५ वर्षील

A 1524-1/05

श्री १०००० न्याय नमो.

द्वारा अग्र दि० को प्रस्तुत ।
CF 19-9-05

अवर सचिव
राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

4 SEP 2005

19-9-05
Notes
A

12
14-9-05-
10, A.G. (R.W. AI)
A.C.

१- बाबूलाल पुत्र बजरंगा

२- गजानन्द पुत्र बजरंगा

निवासी- गण ग्राम डाबरता परगना एवं
जिला- श्यांपुर कला (म०प०)

३- मु० सीतापुत्री बजरंगा पत्नी सीताराम
निवासी- वाली राँड-श्यांपुर कला ।

४- महावीर पुत्र जगन्नाथ

५- राधेश्याम पुत्र जगन्नाथ

६- रामकल्याण पुत्र जगन्नाथ

समी जाति खाती, निवासी- गण मोती कुंज के
सामने, बडोदा राँड, श्यांपुर ।

७- मु० कमेता पुत्री जगन्नाथ पत्नी मांगीलाल,
निवासी- दातेरवा परगना एवं जिला श्यांपुर (म०
(म०प०)

८- मु० दासाबाई पुत्री गोरधन पत्नी रामकिशन
जाति खाती, निवासी -ग्राम कन्दपुरा, पर०
एवं जिला श्यांपुर (म०प०) ।

----- अपीलान्ट्स

बनाम

१- मांगीलाल पुत्र गोरधन जाति खाती

निवासी- ग्राम जलालपुरा, तैहसील एवं जिला-
श्यांपुर (म०प०)

२- ब्रजेश पुत्र प्रमूलाल जाति- कारगार,

निवासी कस्बा बडोदा कुंज, जिला श्यांपुर

३- मु० मियलेश पुत्री प्रमूलाल पत्नी रविशंकर,

निवासी- ग्राम कन्दपुरा परगना एवं जिला-
श्यांपुर (म०प०)

R
A

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

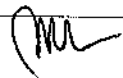
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 1524-एक/2005 अपील

जिला श्योपुर कलॉ

2

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि० के हस्ता.
64-16	<p>अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा पकरण क्रमांक 320/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 12-05-2005 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के अंतर्गत यह अपील प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ अवलांट के अभिभाषक श्री ए.के.अग्रवाल एवं रिस्पा० के अभिभाषक श्री एस०के०अवस्थी के तर्क पूर्व पेशी पर सुने गये । उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन परिलक्षित है कि मौजा डावरता स्थित भूमि कुल कितना तीन कुल रकबा तीन वीघा सत्रह विस्वा के सम्बन्ध में बटवारा करने हेतु आवेदन अनावेदक क-1 ने अपर कलेक्टर श्योपुर को दिया था, जिस पर से अपर कलेक्टर ने प्रकरण क्रमांक 24/2000-01 बी 121 में पारित आदेश दिनांक 2-3-01 से घरू बटवारे के आधार पर बटवारा स्वीकृत कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के समक्ष अपील प्रस्तुत होने पर पकरण क्रमांक 320/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 12-05-2005 से अपील निरस्त की गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह अपील हुई है।</p> <p>4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कानुक्रम में देखना है कि वादग्रस्त भूमि का बटवारा अपर कलेक्टर ने स्वस्तर</p>	




से किया है-क्या अपर कलेक्टर द्वारा मूल न्यायालय की हैसियत से बटवारा आदेश पारित करने हेतु सक्षम हैं ?

म०प्र०भू राजस्व संहिता १९५९ की धारा-१७८ इस प्रकार है :-

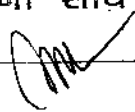
धारा १७८ - खाते का विभाजन -

- (१) यदि किसी खाते में, जिस पर धारा ५९ के अधीन कृषि के प्रयोजन के लिये निर्धारण किया गया, एक से अधिक भूमिस्वामी हों तो उनमें से कोई भी भूमिस्वामी उस खाते में के अपने अंश के विभाजन के लिये तहसीलदार को आवेदन कर सकेगा।
- (२) तहसीलदार, सह-भूधारियों की सुनवाई करने के पश्चात्, खाते को विभाजित कर सकेगा और उस खाते के निर्धारण को इस संहिता के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार प्रभावित कर सकेगा।

स्पष्ट है कि संहिता की धारा १७८ की शक्तियों के प्रयोग के लिये तहसील न्यायालय मूल न्यायालय है। कलेक्टर/अपर कलेक्टर न्यायालय को बटवारा करने की शक्तियाँ प्राप्त नहीं हैं।

५/ यदि कलेक्टर/ अपर कलेक्टर को तहसील न्यायालय से वरिष्ठ अपीलीय न्यायालय होना माना जाय, तब धारा १७८ के अंतर्गत तहसील न्यायालय द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध संहिता की धारा ४४ एवं ५० के अंतर्गत अपील/निगरानी न्यायालय की स्थिति इस प्रकार है -

१. संहिता की धारा १७८ के अंतर्गत तहसील न्यायालय पारित आदेश के विरुद्ध धारा ४४ के अंतर्गत प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी को, अनुविभागीय अधिकारी द्वारा प्रथम अपील में पारित आदेश के विरुद्ध द्वितीय अपील आयुक्त/अपर आयुक्त को, तदुपरांत राजस्व मण्डल में निगरानी होगी।
२. तहसील न्यायालय द्वारा संहिता की धारा १७८ के अंतर्गत पारित अंतरिम आदेश के विरुद्ध धारा ५० के अंतर्गत निगरानी सीधे राजस्व मण्डल में होगी।





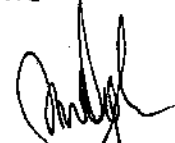
राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 1524-एक/2005 अपील

जिला श्योपुर कलॉ

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि० के हस्ता.
	<p>उपरोक्त से स्पष्ट है कि संहिता की धारा 178 के अधीन कार्यवाही विचारित करने की शक्तियाँ कलेक्टर/ अपर कलेक्टर को नहीं है, जिसके कारण अपर कलेक्टर द्वारा प्रकरण क्रमांक 24/2000-01 बी 121 में पारित आदेश दिनांक 2-3-01 दोषपूर्ण है तथा इन तथ्यों पर अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 320/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 12-05-2005 में ध्यान न देने से उनके द्वारा पारित आदेश भी दोषपूर्ण है।</p> <p>6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 320/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 12-05-2005 एवं अपर कलेक्टर द्वारा प्रकरण क्रमांक 24/2000-01 बी 121 में पारित आदेश दिनांक 2-3-01 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किये जाते हैं तथा प्रकरण तहसीलदार श्योपुर कलॉ की ओर इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है कि वह समस्त सहस्त्रातेदारों को व्यक्तिगत सूचना देकर एवं सुनवाई का समुचित अवसर देते हुये संहिता की धारा 178 में दिये गये बटवारा नियमों के अनुरूप पुनः कार्यवाही करें।</p>	


सदस्य